answer, that the situation is very much better than what it has been previously, and the reported raids etc. are entirely of a different kind. They are petty robberies, in fact. It has no relation to the movement that was going on previously. Sometimes, they are actually between two tribal people; some people have little grievance against the others and they attack. In a small way, it is just sheer robbery. On the whole, there have not been many even of that type.

श्री जगदीश अवस्थी : क्या गवर्नमेंट के ध्यान में यह बात आई है कि सरकार द्वारा जो खाद्यान्न ग्रामीणजनों को सहायतार्थ भेजा जाता है, वह विद्रोही नेताओं के हाथ में चला जाता है, वे उसको लूट लेते हैं, यदि हां, तो इस सम्बन्ध में सरकार ने क्या कार्यवाई की है या क्या कार्यवाई करने की सोच रही है ?

श्री जवाहरलाल नेहरू: मैं तो इतमीनान दिला सकता हूं कि ऐसा नहीं हुआ है और यदि हुआ है तो बहुत कम हुआ होगा । इसका कारण यह है कि इसे ज्यादा तर उन गांवों में भेजा जाता है जहा लोग जमा कर के रखे गये थे । वहां तो यह बात नहीं हो सकती है और अगर इत्तिफाक से हो जाये तो उसका रोकना दुश्वार है ।

Shri Hem Barua: In view of the admirable measures so far taken by the Government for the reconciliation of the hostile Nagas, may I know if the prize money of Rs. 10,000 offered on Mr. Phizo, dead or alive, has been withdrawn now?

Shri Jawaharlal Nehru: I do not know whether anything has been done about that. I do not even recollect who offered that money, whether it is the Assam Government....

Shri Hem Barua: It was in the newspapers. During those hectic days it was flashed in the newspapers that Rs. 10,000 will be offered as prize money on the head of Mr. Phizo.

Shri Jawaharlal Nehru: We have all forgotten about it.

Shri Hem Barua: Has it been withdrawn, as the situation has eased?

Shri Goray: May I know the number of Nagas who have gone to Burma and asked for political asylum from that country?

Shri Jawaharlal Nehru: There was a report in the newspapers that a few have gone there. It is entirely a matter for the Burmese Government to consider.

Shri Hem Barua: I may be allowed one more supplementary.

Mr. Speaker: It should arise out of this question.

Shri Hem Barua: May I know if Government are aware of the recent incidents of looting and destroying of property worth Rs. 6,000/- at Mao, exchange of bullets between Manipur Rifles and Tamanlong Nagas in which a sepoy was seriously injured, attack on the magistrate's quarters at Churachandpur, looting at Chingloni village and bomb explosion at Konglopokji village and one at Kalianani village? These are the incidents which have happened during the preceding fortnight in February.

Shri Jawaharlal Nehru: This is a specific detail of the broad question that has been put and answered. I cannot say about each individual thing. We have heard of such incidents. As I ventured to say, these are more in the nature of petty robberies than part of any movement.

Handloom Industry in Punjab

+

*541. { Shri Daljit Singh: Shri D. C. Sharma: Sardar Iqbal Singh: }

Will the Minister of **Commerce and Industry** be pleased to state:

(a) the amount allotted and actually spent in the State of Punjab for the development of handloom industry during the years 1956-57 and 1957-58 so far;

(b) the main items on which the expenditure was incurred during the same period; and

(c) the proposed allotment for the year 1958-59?

The Minister of Commerce (Shri Kanungo): (a) and (b). A statement is laid on the Table of the Lok Sabha. [*See* Appendix III, Annexure No. 54.]

(c) This has not yet been finalised.

Indian Trade Exhibition in Sudan

*542. **Shri Raghunath Singh:** Will the Minister of Commerce and Industry be pleased to state whether it is a fact that India is organising an Indian Trade Exhibition in Sudan?

The Deputy Minister of Commerce and Industry (Shri Satish Chandra): Yes, Sir.

श्री रघुनाथ सिंह : मै यह जानना चाहता हूं कि जो प्रदर्शिनी हो रही है उसमे बनारसी सामान जैसे पीतल, सिल्क और हैंडलूम का सामान भेजा जायेगा कि नही ?

श्री सतीश चन्द्र : हेंडिक्रफ्ट बोर्ड इस नुमायश मे हिस्सा ले रहा है और मुझे पूरी उम्मीद है कि बनारसी सामान को जरूर इसमे स्थान मिलेगा ।

श्री बजराज सिंह : इस प्रदर्शिनी मे आगरे के जूते और फीरोजाबाद की चूडिया भी रक्खी जायेगी ?

श्री सतीश चन्द्र : मुझे मालूम नही कि सूडान में चूडिया पहनी जाती है कि नही लेकिन इस तरह का सामान जो कुछ भी है, स्मौल स्केल का, बडी इंडस्ट्रीज का और इंजीनियरिंग गुड्स सभी उसमे भेजे जा रहे हैं ।

पोलेंड और रूस को जूतों का निर्यात

+

*५४४. **श्री राधेलाल व्यास** :
श्री विश्वनाथ राय :
डा० राम सुभग सिंह :
पंडित द्वा० ना० तिवारी :
श्री मोहन स्वरूप :
श्री वाजपेयी :
श्री म० रा० कृष्णस्वामी :

क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पोलंड और रूस को भेजे गये चमड़े के जूतों के कुछ बंडल इन देशों द्वारा लौटा दिये गये है क्योंकि उनमें जो जूते थे वे स्वीकृत नमूने के अनुसार नही थे ;

(ख) यदि हा, तो इन देशो में से प्रत्येक ने कितने-कितने जोडी जूते अस्वीकृत किये ;

(ग) क्या यह सच है कि बाद को ये जूते इन देशो द्वारा स्वीकार कर लिये गये और यदि हा, तो किन शर्तों पर ;

(घ) इस सम्बन्ध में हुये नुकसान के बारे मे क्या कोई जाच की गई और किसी पर इसका उत्तरदायित्व डाला गया ; और

(ङ) इस विषय में क्या कार्यवाही की गई है अथवा करने का विचार है ?

वाणिज्य मंत्री (श्री कानूनगो) : (क) रूस को कुल जितने जूते भेजे गये थे, उनका सिर्फ कुछ ही प्रतिशत माल अस्वीकृत किया गया है । कुछ जूते खराब भी पाये गये हैं । जूते वापस भारत नही भेजे गये हैं ।

(ख)

अस्वीकृत जूते	खराबी वाले जूते
१०२४ जोडे	४३,०८२ जोडे

(ग) अस्वीकृत जूते बाद में स्वीकार नही किये गये । खराबी वाले जूते कम कीमत पर स्वीकार किये गये है ।

(घ) जी, नही । स्टेट ट्रेडिंग कारपोरेशन आफ इंडिया को कोई भी नुकसान नही हुआ । सौदे की शर्तों के अनुसार अस्वीकृत जूतों की कुल लागत और खराबी वाले जूतो की कम की गयी कीमत इन्हें सप्लाई करने वालों ने उठायी है ।

(ङ) प्रश्न ही नहीं उठता ।